untrue? Should those names be mentioned and unnecessarily a blemish be put upon them? I am not asking about these two names, but for future guidance.

Mr. Speaker: It is for the investigating authority to find out who are guilty and who are not. Everybody is innocent unless he is proved to be guilty. But it is quite legitimate to ask for the information whether the FIR contained any names. They might have been involved unlawfully, out of malice. Somebody might have got that report registered on account of personal enmity. But that is a subsequent thing altogether. First the information is being sought whether the FIR contained those names. It was for the investigating authority to find out whether really there was something against them, and to send up only the names of those against whom they found some proof. Therefore, we cannot presume any guilt in a person who has been put there.

Shri Kapur Singh: We are entitled to know whether some of them were let off due to undue influence.

Mr. Speaker: That has been answered.

Dr. L. M. Singhvi: In view of your intervention and the direction you have been pleased to give, I want to reiterate that the demand has been voiced before the House that if adequate information is not available presently, it should be collected and made available to us, and particularly the names which were mentioned in the report and at what stage they were dropped—this information should be made available to us.

Mr. Speaker: I have said that.

विमान सेवाओं का मिलाना

\+

*1148. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्री रा० स० तिवारी :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री यशपाल सिंह :

क्या असैनिक उड्डयन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एयर इण्डिया और दूसरे देशों की विमान के बीच उड़ानों के लाभ में भागी बनने के समझौते किन किन देशों से अभी चालू हैं और उनसे मिल कर हमारी सेवाओं के चलाने में अनुमानतः क्या विमान लाभ अथवा हानि हुई है ;

(ख) एयर इण्डिया को विदेशी विमान सेवाओं से समझौतों से पूर्व तथा बाद में उनसे मिल कर विमान सेवाएं चलाने में हुए लाभ के तुलनात्मक आंकड़े क्या हैं ; और

(ग) क्या विमान सेवाओं में भागीदारी के सम्बन्ध में अन्य देशों से बातचीत हो रही है और यदि हां, तो कब तक समझौते होने की सम्भावना है ?

असैनिक उड्डयन मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) से (ग). मिल कर काम करने के समझौते देशों के बीच नहीं बल्कि एयर लाइनों के बीच होते हैं। ऐसे चालू समझौतों के बारे में अपेक्षित सूचना देने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) मिल कर काम करने के प्रबन्ध सरकार के स्तर पर नहीं बल्कि एयरलाइन के स्तर पर किए जाते हैं। एयर इण्डिया ने मिल कर विमान सेवाएं चलाने के करार निम्न देशों के साथ किये हैं :—

	जिस तारीख से लागू हुआ है।
(i) एयरोफ्लोत-नेशनल केरियर आफ यू० एस० एस० आर०.	14-8-1958
(ii) चेकोस्लोवाक एयर-लाइन (सी० एस० ए०) नेशनल केरियर आफ चेकोस्लोवाकिया	13-8-1959
(iii) बी० ओ० ए० सी० नेशनल केरियर आफ	•

	जिस तारीख से आगे लागू हुआ है
यू० के०—और क्वांटास एम्पायर एयरवेज—नेशनल केरियर आफ आस्ट्रेलिया .	1-4-1960
(iv) ईस्ट अफ्रीकन एयरवेज (ई० ए० ए० सी०)—नेशनल केरियर आफ कीनिया, यूगांडा एण्ड तांजानिया	1-9-1963
(v) अदन एयरवेज—नेशनल केरियर आफ अदन—और ई० ए० ए० सी०	1-4-1964
(vi) मिडिल ईस्ट एयर लाइंस (एम० ई० ए०)—नेशनल केरियर आफ लेबनान	1-10-1964

(ख) एयर इण्डिया द्वारा मिल कर चलाई जाने वाली विमान सेवाओं का पूरा प्रभाव एयर इण्डिया को होने वाले कुल लाभ से प्रकट होता है। एयर इण्डिया के 1954-55 से 1963-64 तक के चालन लाभ निम्न प्रकार हैं :—

	(लाख रुपयों में)
1954-55 .	34.05
1955-56	6.56
1956-57	89.34
1957-58	71.67
1958-59	15.85
1959-60	18.26
1960-61	117.41
1961-62	76.99
1962-63	345.44
1963-64 .	384.25

(ग) इस समय मिल कर विमान सेवायें चलाने की संभावना के बारे में जापान एयरलाइंस और कुवेत एयरवेज के साथ बातचीत हो रही है।

श्री म० ला० द्विवेदी : सभा पटल पर जो वक्तव्य रखा गया है उसमें सन् 1954 से लेकर सन् 1964 तक की आय का विवरण दिया गया है, लेकिन उससे यह पता नहीं चलता कि चालन व्यय क्या हुआ और मुनाफा कितने प्रतिशत हुआ। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन वर्षों का मुनाफा दिखलाया गया है उन में चालन व्यय क्या हुआ और जो मुनाफे का प्रतिशत है वह कितना है?

श्री कानूनगो : : जो कारपोरेशन की सालाना रिपोर्ट पेश की जाती है, यह तो उसमें रहता है।

श्री म० ला० द्विवेदी : यह प्रश्न महीने भर पूर्व पूछा गया था। मैं जानना चाहता हूं कि जब यह प्रश्न महीने भर पहले पूछा गया था और उसका उत्तर आज दिया जा रहा है, तो पूरा विवरण क्यों नहीं दिया गया?

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि वह रिपोर्ट में है।

श्री म० ला० द्विवेदी : रिपोर्ट तो अब दी गई है, लेकिन प्रश्न तो मैंने महीने भर पहले दिया था।

अध्यक्ष महोदय : आप अपना सवाल कीजिये।

श्री म० ला० द्विवेदी : क्या कारण है कि जो एयर सरविसेज़ संयुक्त राज्य अमरीका की और दूसरे बड़े बड़े देशों की चल रही हैं उनसे एयर इण्डिया का समझौता क्यों नहीं हुआ, और क्या इस सम्बन्ध में कोई कार्रवाई की जा रही है?

श्री कानूनगो : जब दो एयरलाइन्स राजी होती हैं और मंजूर करती हैं तो यह समझौता होता है। अमरीका की कोई कम्पनी एयर इण्डिया के साथ पूल करने

को तैयार नहीं हुई, इसलिए उनके साथ समझौता नहीं हुआ ।

श्री रा० स० तिवारी : विवरण को देखने से पता चलता है कि हमारा सम्बन्ध ऐसी एयरलाइन्स से है जो छोटी यात्राएं करती हैं । जिन एयरलाइन्स की लम्बी यात्राएं होती हैं उनसे हमारा समझौता क्यों नहीं हो सका ?

श्री कानूनगो : पहला समझौता रूस के साथ एयरोफ्लोत एयरलाइन्स से हुआ है ।

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार को क्या जरूरत महसूस हुई कि इस तरह का मिलान किया गया, और इस समझौते के बगैर क्या दिक्कत हो रही थी, और इसको करने से सरकार को कितना फायदा हुआ ?

अध्यक्ष महोदय : जब दोनों को फायदा होता है तो समझौता किया जाता है ।

Shri Kapur Singh: I want to know whether the real objective of this collaboration is to keep the prices and profits high and "to hell with the customers"; if so, may I know whether socialism has a conscience?

Shri Kanungo: This is the practice all over the world and the objective is to economise upon the operations and cut down cut-throat competitions.

Dr. Ranen Sen: We have a collaboration agreement with the Aeroflot and we have a collaboration agreement with the BOAC. An Air India service goes from Delhi to London *via* Moscow. Recently it was reported that in spite of this collaboration agreement the British Government or the BOAC refused to allow the Air India planes to carry passengers from Moscow to London. If this report is correct, may I know the opinion of the Government of India in this respect and their reaction thereto?

Mr. Speaker: If it is agreed to, it is to be known, and not their opinion.

Shri Kanungo: It is not a collaboration, it is a pooling arrangement. Pooling arrangement is not necessarily for all the routes or the same route for all flights. About the refusal of the U.K. Government to carry passengers on the Moscow-London sector, the matter is under consideration and discussion. As a matter of fact, the practice of U.K. Government has been to allow traffic on the route from Moscow to London with an intermediate halt at some station in Europe, which Air India is not prepared to do.

श्री रघुनाथ सिंह : स्टेटमेंट को देखने से यह पता चलता है कि सिर्फ ६ देशों से हमारा सम्बन्ध स्थापित हुआ है । क्या मैं जान सकता हूं कि और देशों से जिन में एयर लाइन्स हैं हमारा कोई सम्पर्क या सम्बन्ध स्थापित होगा ?

श्री कानूनगो : यह समझौता देशों के साथ नहीं, एयरलाइन्स के साथ होता है ।

श्री रघुनाथ सिंह : उन्हीं देशों की तो एयरलाइन्स हैं ।

Shri Kanungo: Preliminary discussions are going on with Japan and one or two other countries.

Committee of Traders

***1149. Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether an All-India Committee of the representatives of the foodgrain trade has been constituted to assist in creating a proper climate of opinion and understanding among the traders;

(b) whether any meeting of the Committee has been held so far; and

(c) if so, its recommendations?